स्वस्तिक ग्रैंड कॉलोनी का रेरा पंजीयन होगा निरस्त

- रजिस्ट्री और नामांतरण पर भी रोक
- अपर कलेक्टर ने लिखे कार्रवाई के पत्र

नव भारत न्यूज

इंदौर. राऊ के पूर्व विधायक के भाजपा पार्षद पति की स्वास्तिक ग्रैंड कॉलोनी का रेरा पंजीयन भी निरस्त होगा. कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर ने स्वास्तिक ग्रैंड कॉलोनी के खिलाफ रेरा पंजीयन निरस्त करने की कार्रवाई का पत्र भोपाल भेज दिया है. साथ ही कलेक्टर के आदेश पर स्थानीय पंजीयन विभाग और एसडीएम कार्यालय की रजिस्ट्री एवं नामांतरण, बंटवारा आदि कार्य पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं. कॉलोनी की जमीन का कलेक्टर राजस्व विभाग द्वारा फिर से सीमांकन कर अतिक्रमण मुक्त करने की तैयारी की जा रही है. हातोद के गांव सोनगिर में सीलिंग की जमीन पर 17 हेक्टेयर में स्वस्तिक ग्रैंड कॉलोनी है. उक्त कॉलोनी राऊ के पूर्व विधायक जीतू जिराती समर्थक भाजपा पार्षद पति निलेश चौधरी एवं परिवार के अन्य सदस्यों ने काटी है. स्वस्तिक ग्रैंड कॉलोनी 17 हेक्टेयर जमीन पर 271 प्लॉट है. कॉलोनी में 1 हजार से 3 हजार वर्ग फीट तक के प्लॉट कटे हुए है. उक्त सीलिंग जमीन की वर्तमान कीमत 2 सौ करोड़ रुपए से ज्यादा बताई जा रही है. हातोद के सोनागिर गाँव में सीलिंग की जमीन पर कॉलोनी काटने के मामले का खुलासा नीलेश चौधरी की स्वास्तिक ग्रैंड कॉलोनी के पास की जमीन पर मेसर्स ल्यूमिनियस इन्फ्रास्ट्रक्चर के मेहुल पिता नवीन मेहता की शिकायत पर हुआ है. कलेक्टर के आदेश पर कल अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य ने कॉलोनी की विकास अनुमति निरस्त कर दी है.

अतिक्रमण हटाने कार्रवाई जल्द

अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य ने बताया कि उक्त सीलिंग की जमीन के लिए प्रशासन ने दल गठित कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जल्द की जाएगी. जमीन का सीमांकन कर कलेक्टर राजस्व रिकॉर्ड में फिर से दर्ज होगी.

रजिस्ट्री नहीं करने के आदेश

आज स्वास्तिक ग्रैंड कॉलोनी के खिलाफ कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर रेरा पंजीयन निरस्त करने का पत्र भोपाल रेरा पंजीयन कार्यालय भेजा गया है. साथ ही हातोद और इंदौर रजिस्ट्रार कार्यालय को भी अलग कॉलोनी की रजिस्ट्री नहीं करने के आदेश दिए गए है. एसडीएम हातोद और अन्य संबंधित विभाग को भी निर्देश दिए है कि उक्त कॉलोनी में किसी दस्तावेज पर नामांतरण या अन्य राजस्व कार्य नहीं किए जाएं.

मेट्रोपॉलिटन एरिया अधिसूचना को लेकर हाईकोर्ट द्वारा सरकार को नोटिस

कई बिंदुओं की अनदेखी को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई

नवभारत न्यूज

इंदौर. प्रदेश सरकार द्वारा जारी 'उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन एरिया' की अधिसूचना को लेकर शुक्रवार को हाईकोर्ट में जनहित याचिका पर सुनवाई हुई. सुनवाई में हाईकोर्ट डबल बेंच ने सरकार सहित सभी पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं.

पिछली 23 जून को हाईकोर्ट की डबल बेंच में उज्जैन-इंदौर मेट्रो पॉलिटियन एरिया की अधिसूचना को लेकर एडवोकेट अक्षत पहाड़िया ने याचिका दायर कर उक्त अधिसूचना पर सवाल उठाए थे. उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि राज्य एक्ट की धारा 8(1) के तहत 'उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन अथॉरिटी' का गठन किया है. एक्ट की धारा 3 के तहत महानगरीय क्षेत्र को पहले अधिसूचित करना था, लेकिन अधिसूचना को जारी करने में इसका पालन नहीं किया गया. याचिकाकर्ता ने कि इंदौर राज्य की शैक्षिक, व्यावसायिक और औद्योगिक राजधानी है, जबकि उज्जैन एक धार्मिक और आध्यात्मिक शहर है. दोनों शहर एक-दूसरे के पास नहीं हैं. दोनों को मिलाकर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र घोषित नहीं किया जा सकता है. याचिका में 12/6/2026 की जारी अधिसूचना को लेकर सवाल खड़े किए गए है कि 'मेट्रोपॉलिटन रीजन' घोषित करने एवं क्षेत्र तय करने से पहले नगर निगम, नगर पालिका और पंचायत जैसी संवैधानिक संस्थाओं से कोई परामर्श, आपत्ति, सुझाव या ड्राफ्ट प्लान पर चर्चा नहीं की गई. याचिका में 16,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के गठन की प्रक्रिया, संविधान के 74वें संशोधन के उल्लंघन, और क्षेत्र के नाम (इंदौर का नाम उज्जैन के बाद रखने) पर आपत्ति ली गई है. याचिकाकर्ता एडवोकेट अक्षत पहाड़िया ने हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान तर्क रखे है कि मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के गठन से जुड़े कानूनी नियमों की अनदेखी की गई है. सवाल उठाया है कि क्या इसके लिए स्थानीय निकायों से उचित सलाह ली गई थी? जस्टिस सुबोध अभ्यंकर एवं जस्टिस आलोक अवस्थी की डबल बेंच ने याचिका की सुनवाई करते हुए सरकार सहित सभी संबंधित विभागों को अगली सुनवाई पर जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा है.

बारिश के इंतजार में बिलावली तालाब, सूखी पड़ी तलहटी

इंदौर. शहर की प्रमुख जलाशयों में शामिल बिलावली झील इस बार भी अच्छी बारिश का इंतजार कर रही है. शुक्रवार को झील का अधिकांश हिस्सा सूखा नजर आया. दूर-दूर तक फैली तलहटी अब दिखाई दे रही है और बीच-बीच में केवल छोटे-छोटे जलभराव के गड्ढे दिखाई दे रहे हैं. यदि आने वाले दिनों में अच्छी वर्षा नहीं हुई तो झील का जलस्तर बढ़ने में और समय लग सकता है.

झील के किनारों पर हरियाली दिखाई दे रही है, लेकिन बीच का बड़ा हिस्सा सूखी और फटी हुई जमीन में तब्दील हो चुका है. कुछ स्थानों पर पानी की पतली धार और छोटे जलकुंड ही बचे हैं. मानसून की शुरुआत के बावजूद अब तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंचने से झील का प्राकृतिक स्वरूप पूरी तरह नहीं लौट पाया है. यदि अगले कुछ दिनों में तेज और लगातार बारिश होती है तो झील में पानी की आवक बढ़ सकती है और इसका जलस्तर तेजी से सुधर सकता है. फिलहाल बिलावली झील बादलों की ओर टकटकी लगाए अच्छी बारिश का इंतजार कर रही है.

इस बार अधिकांश हिस्सा सूखा

स्थानीय निवासी नेहा जुनेजा ने बताया कि बिलावली झील इंदौर की पहचान है और जलस्रोत है. हर साल बारिश के मौसम में यहां बड़ी संख्या में लोग प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने पहुंचते हैं, लेकिन इस बार झील का अधिकांश हिस्सा सूखा पड़ा है. उन्होंने कहा कि अच्छी बारिश होने पर ही झील अपने पुराने स्वरूप में लौट पाएगी.

सीबीआई की एफआईआर रद्द, हाई कोर्ट ने पलटा सिंगल बेंच का फैसला

- देवास की तत्कालीन सहायक आबकारी आयुक्त मामले में डिवीजन बेंच का बड़ा फैसला
- कहा- वैधानिक प्रक्रिया अपनाए बिना सीधे सीबीआई जांच का आदेश उचित नहीं

नवभारत न्यूज

इंदौर. मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने देवास की तत्कालीन सहायक आबकारी आयुक्त से जुड़े बहुचर्चित मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर रद्द कर दी. साथ ही सिंगल बेंच का वह आदेश भी निरस्त कर दिया, जिसमें सीबीआई को एफआईआर दर्ज कर जांच करने के निर्देश दिए थे.

जस्टिस संदीप एन. भट्ट और जस्टिस जय कुमार पिल्लई की खंडपीठ ने कहा कि कानून में उपलब्ध वैधानिक प्रक्रिया अपनाए बिना सीधे एफआईआर दर्ज कराने और सीबीआई जांच के निर्देश देना न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप नहीं था. अदालत ने माना कि शिकायतकर्ता के पास पहले से वैकल्पिक कानूनी उपाय उपलब्ध थे, जिनका उपयोग किया जाना चाहिए था. खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि यदि शिकायतकर्ता अब भी कार्रवाई चाहता है तो उसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत निर्धारित प्रक्रिया अपनानी होगी. इसके बाद सक्षम प्राधिकारी अथवा संबंधित अदालत उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर स्वतंत्र रूप से निर्णय लेगी. अदालत ने इसी आधार पर सिंगल बेंच का आदेश और उसके बाद दर्ज सीबीआई की एफआईआर दोनों को निरस्त कर दिया.

एक नजर में

सैमसंग ने भारत में लॉन्च की म्यूज़िक स्टूडियो सीरीज़

इंदौर. सैमसंग इंडिया ने भारतीय बाजार में अपनी नई म्यूजिक स्टुडियो सीरीज लॉन्च की है. इस नई सीरीज में म्यूजिक स्टूडियो 5 (एलएस50एच) और म्यूजिक स्टूडियो 7 (एलएस70एच) नाम के दो वाई-फाई स्पीकर्स शामिल हैं. कंपनी का कहना है कि ये स्पीकर्स बेहतरीन साउंड क्वालिटी और आकर्षक डिजाइन का मेल हैं, जो घर के किसी भी हिस्से में आसानी से फिट हो जाते हैं और दमदार ऑडियो अनुभव देते हैं. म्यूजिक स्टुडियो सीरीज, सैमसंग के ऑडियो प्रोडक्ट्स की नई पेशकश है. ये स्पीकर्स सैमसंग टीवी और साउंडबार के साथ आसानी से कनेक्ट होकर बेहतर ऑडियो अनुभव प्रदान करते हैं. सैमसंग इंडिया के विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट विप्लेश डांग ने कहा सैमसंग लंबे समय से भारत में नई ऑडियो तकनीक और स्मार्ट फीचर्स के जरिए होम ऑडियो अनुभव को बेहतर बना रहा है. नई म्यूजिक स्टूडियो सीरीज के साथ हम इसी दिशा में एक और कदम बढ़ा रहे हैं. ये स्पीकर्स हर तरह के घर और हर मौके के लिए दमदार, साफ और शानदार साउंड देने के लिए तैयार किए गए हैं.

मोटोरोला ने लॉन्च किया एज 70 मैक्स

इंदौर. मोबाइल टेक्नोलॉजी एवं इनोवेशन में ग्लोबल लीडर और भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला ने आज अपना फ्लैगशिप परफॉर्मेंस स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 मैक्स लॉन्च किया है. यह फोन उन लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है जिन्हें शानदार स्पीड, बेहतरीन एंटरटेनमेंट, लंबी चलने वाली बैटरी और स्मार्ट एआई फीचर्स की ज़रूरत होती है. नए स्नैपड्रैगन 8 जेन 5 चिपसेट द्वारा संचालित, मोटोरोला एज 70 मैक्स अपने सेगमेंट की सर्वश्रेष्ठ डिस्प्ले तकनीक, एक विशाल 7100 एमएएच सिलिकॉन कार्बन बैटरी, प्रीमियम डिज़ाइन, एआई-संचालित इमेजिंग और सहज मल्टी-डिवाइस इंटेलिजेंस का एक बेहतरीन संयोजन पेश करता है, जो फ्लैगशिप स्मार्टफोन के अनुभव को नए सिरे से परिभाषित करता है. मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, टी.एम. नरसिम्हन ने कहा, मोटोरोला एज 70 मैक्स के साथ, हम परफॉर्मेंस, डिस्प्ले, बैटरी, एआई और डिज़ाइन से जुड़े अपने सबसे उन्नत नवाचारों को एक फ्लैगशिप स्मार्टफोन में एक साथ ला रहे हैं। इस डिवाइस के हर पहलू को बहुत सोच-समझकर तैयार किया गया है ताकि उपयोक्ता को ऐसे शानदार अनुभव मिल सकें जो उन्हें आसानी से कंटेंट बनाने, खेलने, काम करने और जुड़े रहने में मदद करें.

सैमसंग ने फ्लेक्स टाइटेनियम तकनीक पेश की

इंदौर. सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने आज अगली पीढ़ी के गैलेक्सी फोल्डेबल डिवाइसेस के लिए नई फ्लेक्स टाइटेनियम तकनीक पेश की. फोल्डेबल नवाचार और इंजीनियरिंग में सात पीढ़ियों के अनुभव पर आधारित यह नई डिस्प्ले संरचना बेहतर मजबूती और कम दिखाई देने वाली फोल्ड लाइन के साथ अधिक सधा हुआ देखने का अनुभव देती है. सैमसंग के लंबे समय से विकसित डिस्प्ले कौशल की मदद से बनी इस तकनीक में टाइटेनियम आधारित दो हिस्से शामिल हैं, एक टाइटेनियम एलॉय फिल्म और एक टाइटेनियम प्लेट. ये दोनों मिलकर फोल्डेबल डिस्प्ले की संरचना में पतलेपन, लचीलापन और मजबूती के बीच संतुलन बनाते हैं. सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल आरएंडडी ऑफिस, हार्डवेयर के ईवीपी और सीनियर एग्जीक्यूटिव सुंघून मून ने कहा फोल्डेबल श्रेणी में सैमसंग की ताकत उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को ऐसी तकनीक से जोड़ने में है, जो रोजमर्रा की जिंदगी में साफ तौर पर फायदा दे.

रॉयल स्टैग 2025 में सबसे ज्यादा बिकने वाला व्हिस्की ब्रांड बना

इंदौर. पर्नोड रिकार्ड इंडिया ने घोषणा की है कि आईडब्ल्यूएसआर 2025 की नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, रॉयल स्टैग वर्ष 2025 में दुनिया का सबसे ज्यादा बिकने वाला व्हिस्की ब्रांड बन गया है. वर्ष 2025 में इस ब्रांड की कुल 3.26 करोड़ (32.6 मिलियन) केस की बिक्री दर्ज की गई. यह रॉयल स्टैग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है. पर्नोड रिकार्ड इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जीन टुबूल ने कहा आईडब्ल्यूएसआर 2025 की रैंकिंग के अनुसार रॉयल स्टैग का दुनिया का सबसे ज्यादा बिकने वाला व्हिस्की ब्रांड बनना पर्नोड रिकार्ड इंडिया के लिए गर्व की बात है. लेकिन इस उपलब्धि की सबसे बड़ी वजह पिछले तीन दशकों से हमारे उपभोक्ताओं का हम पर बना विश्वास है. जो ब्रांड समय के साथ उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को समझते हैं, अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखते हैं और लगातार करने की कोशिश करते हैं, वे केवल प्रासंगिक ही नहीं रहते, बल्कि दुनिया में अग्रणी भी बनते हैं. रॉयल स्टैग की यात्रा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है.

एमेजॉन ने एमपीआईडीसी के साथ एमओयू किया

इंदौर. आज एमेजॉन इंडिया ने एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआईडीसी) के साथ एक मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर दस्तखत किए. इस पार्टनरशिप का उद्देश्य मध्य प्रदेश के एमएसएमई, एंटरप्रेन्योर्स, डी2सी ब्रांड्स, मैन्युफैक्चरर्स, बुनकरों, कारीगरों और प्रोड्यूसर्स को एमेजॉन ग्लोबल सेलिंग की मदद से ग्लोबल बिजनेस का विकास करने में समर्थ बनाना है. इस एमओयू पर दस्तखत दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स ईवेंट में मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में किए गए. चंद्रमौली शुक्ला, एमडी, एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन एवं एक्सपोर्ट कमिश्नर ने कहा भारत से होने वाले एक्सपोर्ट में मध्य प्रदेश का योगदान लगातार बढ़ रहा है. यहाँ मौजूद एमएसएमई और विस्तृत प्रोडक्ट कैटेगरी इसमें काफी मदद कर रहे हैं. आज विश्व के ग्राहक अलग-अलग बाजारों के प्रोडक्ट खोजते हैं। इसलिए ईकॉमर्स एक्सपोर्ट स्थानीय व्यवसायों को विश्व के ग्राहकों तक पहुँचने और अपना खुद का ब्रांड स्थापित करने का एक बड़ा अवसर प्रदान कर रहा है. श्रीनिधि कल्वापुड़ी, हेड, एमेजॉन ग्लोबल सेलिंग ने कहा एमेजॉन में हम भारतीय एमएसएमई और एंटरप्रेन्योर्स को ईकॉमर्स एक्सपोर्ट द्वारा ग्लोबल ब्रांड बनने में मदद करना चाहते हैं. एमपीआईडीसी के साथ हमारा यह सहयोग जागरुकता और एक्सपोर्टर्स की क्षमताओं को बढ़ाएगा.

सेन्ट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस एसीएस परीक्षा कल

- इंदौर के 6 केंद्रों पर 2398 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा
- तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

नवभारत न्यूज़

इंदौर. संघ लोक सेवा आयोग यूपीएससी द्वारा आयोजित सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस असिस्टेंट कमांडेंट परीक्षा-2026 की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को संभागायुक्त कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में परीक्षा के सुचारु संचालन, सुरक्षा व्यवस्था और अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की गई.

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के निर्देशन में आयोजित बैठक में परीक्षा प्रभारी एवं उपायुक्त राजस्व सपना लोवंशी ने बताया कि परीक्षा 19 जुलाई को इंदौर के 6 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी, जिसमें 2,398 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा दो सत्रों में होगी. पहला सत्र सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरा सत्र दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा. अभ्यर्थियों का परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल ऐप के माध्यम से फेस ऑथेंटिकेशन किया जाएगा. परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले प्रवेश द्वार बंद कर दिए जाएंगे, इसलिए अभ्यर्थियों को समय से पहले केंद्र पहुंचने की सलाह दी गई है. परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच एवं अन्य डिजिटल उपकरणों पर प्रतिबंध रहेगा. अभ्यर्थी केवल एडमिट कार्ड, वैध पहचान पत्र, पासपोर्ट आकार का फोटो, ब्लैक बॉल पेन और पेंसिल ही परीक्षा कक्ष में ले जा सकेंगे. बैठक में यूपीएससी के पर्यवेक्षक जितेंद्र शर्मा, पोस्टमास्टर जनरल अजय बाफना, सीएमएचओ डॉ. माधव प्रसाद हासानी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे. अधिकारियों को सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए.

इंदौर मॉडल से बनी देश की स्वच्छता गाइडलाइनः महापौर

संभाग स्तरीय क्षमता वर्धन कार्यशाला आयोजित

नव भारत न्यूज

इंदौर. शुक्रवार को शहर के एक होटल में इंदौर संभाग के नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों की संभाग स्तरीय क्षमता वर्धन कार्यशाला आयोजित की गई. प्रदेश नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा उक्त कार्यशाला में कचरा प्रबंधन और स्वच्छता सर्वेक्षण के नए नियमों से संबंधित जानकारी दी गई.

आज शहर के एक होटल में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने संभाग स्तरीय क्षमता वर्धन कार्यशाला का शुभारंभ किया. महापौर भार्गव ने कहा कि देश में स्वच्छ भारत मिशन लगातार नए आयाम स्थापित कर रहा है. इंदौर उक्त अभियान का राष्ट्रीय रोल मॉडल बन चुका है. उन्होंने कहा कि इंदौर में लागू किए गए कई नवाचार अब देशभर के लिए गाइडलाइन का रूप लिए जा रहे हैं. कार्यशाला का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों को आधुनिक शहरी कचरा प्रबंधन और स्वच्छता से जुड़े नए नियमों एवं व्यवहारिक प्रक्रियाओं से अवगत कराना है. इसमें स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण, वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन, रीसाइक्लिंग, संसाधनों के पुनः उपयोग और नागरिक सहभागिता को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया. शहरों को स्वच्छ, टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल बनाने का प्रशिक्षण दिया गया. उन्होंने बताया कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट-2026 के नए नियमों के अध्ययन, जानकारी जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया है. इस अवसर पर बुरहानपुर की महापौर माधुरी पटेल सहित इंदौर संभाग के विभिन्न नगर निगमों, नगर पालिकाओं एवं नगर परिषदों के अध्यक्ष और पार्षद उपस्थित थे.

छात्राओं को मिला कॅरियर और व्यक्तित्व विकास का मार्गदर्शन

विश्व युवा कौशल दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

नवभारत न्यूज़

इंदौर. शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर छात्राओं के लिए करियर मार्गदर्शन एवं व्यक्तित्व विकास विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया. कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. वी.डी. श्रीवास्तव के संरक्षण तथा प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी. पी. बैरागी के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किया गया.

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. शैलेन्द्र पिपरिया ने छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की प्रभावी रणनीतियों से अवगत कराया. उन्होंने यूपीएससी, एमपीपीएससी, एसएससी, बैंकिंग और रेलवे सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन, नियमित अध्ययन, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच तथा उत्तर लेखन कौशल के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि सफलता के लिए धैर्य, अनुशासन, सतत सीखने की प्रवृत्ति और व्यवहारिक ज्ञान बेहद आवश्यक हैं.

कौशल विकास के महत्व पर दिया जोर

द्वितीय मुख्य वक्ता रागिनी सिंह ठाकुर निर्माण फाउंडेशन ने छात्राओं को तकनीकी और व्यावहारिक कौशल विकसित करने, आत्मनिर्भर बनने तथा समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने बदलते समय में कौशल विकास के महत्व पर भी जोर दिया. कार्यक्रम का संचालन प्रो. निधि गुप्ता ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा तिवारी ने किया. कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रो. ऋतु मथुरिया, डॉ. शीतल झा, डॉ. प्रियंका जैन एवं डॉ. अंजना चारसिया का विशेष योगदान रहा.

इंदौर झूलेलाल मंदिर में 40 दिवसीय चालीहो साहिब व्रत का शुभारंभ, श्रद्धालु भक्ति में लीन

इंदौर अन्नपूर्णा रोड स्थित झूलेलाल मंदिर में सिंधी समाज के प्रमुख धार्मिक पर्व 40 दिवसीय चालीहो साहिब व्रत का श्रद्धापूर्वक शुभारंभ हो गया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान झूलेलाल के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंच रहे हैं।चालीहो साहिब व्रत भगवान झूलेलाल के प्रति आस्था, श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। व्रत के दौरान श्रद्धालु प्रतिदिन मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, आरती, भजन-कीर्तन और प्रार्थना करते हैं। कई श्रद्धालु सात्विक भोजन ग्रहण करते हुए संयम, सेवा और आध्यात्मिक अनुशासन का पालन करते हैं। इस अवधि में भगवान झूलेलाल से परिवार, समाज और विश्व के सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की जाती है।मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और सुबह-शाम होने वाली आरती में श्रद्धालुओं की अच्छी उपस्थिति देखी जा रही है। आयोजन समिति के अनुसार चालीहो साहिब के 40 दिनों तक प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन और विशेष पूजा का क्रम जारी रहेगा। समापन अवसर पर बहराणा साहिब की पूजा एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

दक्ष कौशल विकास पाठ्यक्रम का शुभारंभ

इंदौर. स्टूडेंटस के कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसरों के उद्देश्य से श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस ने 60 घंटे के 'दक्ष कौशल विकास पाठ्यक्रम' का शुभारंभ किया है। पाठ्यक्रम में स्टूडेंटस को एडवांस्ड डिजिटल मार्केटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं सोशल मीडिया का प्रशिक्षण दिया जाएगा. 60 घंटे के प्रशिक्षण में स्टूडेंटस को विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में लाइव डेमो, प्रैक्टिकल अभ्यास और उद्योग आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे अपनी तकनीकी और व्यावसायिक दक्षता बढ़ाकर कॉर्पोरेट जगत की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें. स्टूडेंटस उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल, आत्मविश्वासी और रोजगार के लिए भी बेहतर रूप से तैयार हो सकेंगे.

एक नजर में — इंदौर के सबसे पुराने ग्रिड में नया प्रयोग

नीचे बहेगा बारिश का पानी ऊपर से गुजरेंगी बिजली केबल

नवभारत न्यूज

इंदौर. शहर के पोलोग्राउंड स्थित चंबल 132 केवी अति उच्चदाब ग्रिड पर बिजली आपूर्ति को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए विशेष डक्ट निर्माण का कार्य किया जा रहा है. करीब 2.5 करोड़ रुपये की लागत से हो रहे इस नवाचार के तहत डक्ट की निचली परत से वर्षा जल की निकासी होगी, जबकि ऊपरी हिस्से में 33 केवी की भूमिगत विद्युत केबलें बिछाई जाएंगी.

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा शहर के सबसे पुराने बिजली केंद्र से निकलने वाले 16 उच्चदाब (33 केवी) फीडरों को आधुनिक भूमिगत केबल नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है. कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर किए जा रहे इस कार्य से शहर के उत्तर, पूर्व, पश्चिम और मध्य संभाग के कई ग्रिड सीधे जुड़ेंगे, जिससे बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा और तकनीकी शिकायतों में कमी आएगी. अधिकारियों के अनुसार नई व्यवस्था में पर्याप्त स्टैंडबाय सिस्टम भी रहेगा. किसी फीडर में खराबी आने पर वैकल्पिक केबल के माध्यम से कुछ ही समय में बिजली आपूर्ति बहाल की जा सकेगी।. इससे तेज हवा, केबल क्रॉसिंग और तकनीकी व्यवधानों से होने वाले बिजली अवरोध भी कम होंगे. रोचक तथ्य यह है कि डक्ट निर्माण के लिए की गई खुदाई के दौरान कोयले के अवशेष भी मिले हैं. माना जा रहा है कि ये अवशेष होलकर शासनकाल में पोलोग्राउंड क्षेत्र में कोयला और पानी से बिजली उत्पादन की ऐतिहासिक विरासत की ओर संकेत करते हैं.

चंबल ग्रिड से जुड़े 16 फीडरों के माध्यम से शहर की लगभग 800 कॉलोनियों, बाजारों और प्रमुख मार्गों में बिजली आपूर्ति होती है, जो इंदौर के करीब 15 प्रतिशत हिस्से को कवर करती है। बिजली कंपनी का दावा है कि परियोजना पूरी होने के बाद इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति और अधिक स्थिर एवं भरोसेमंद होगी।